



भाभी की ननद और मेरा लण्ड-1

“अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा बिट्टू यानि कि दलबीर का नमस्कार, और साथ ही अन्तर्वासना डॉट कॉम के इस पटल का भी धन्यवाद जिसने हमारे जैसे लोगों की मन की पुरानी दबी हुई यादों को व्यक्त करने का मौका दिया। मेरी पहली कहानी आप लोगों ने पढ़ी और काफ़ी सारे मेल भी आए और [...] ...”

Story By: dalbir singh (dr.dalbir.singh)

Posted: Saturday, January 11th, 2014

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [भाभी की ननद और मेरा लण्ड-1](#)

भाभी की ननद और मेरा लण्ड-1

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा बिट्टू यानि कि दलबीर का नमस्कार, और साथ ही अन्तर्वासना डॉट कॉम के इस पटल का भी धन्यवाद जिसने हमारे जैसे लोगों की मन की पुरानी दबी हुई यादों को व्यक्त करने का मौका दिया।

मेरी पहली कहानी आप लोगों ने पढ़ी और काफ़ी सारे मेल भी आए और लोगों ने तारीफ़ भी की। मानव का स्वभाव है कि उसे तारीफ़ अच्छी लगती है, मुझे भी लगी।

जैसा कि मैंने अपनी पिछली कहानी में बताया था कि भाभी को सेक्सी किताबें पढ़ने की आदत थी। उनकी उसी आदत की वजह से ही मुझे उन्होंने अपनी ननद माला (बदला हुआ नाम) की भी दिलवाई।

हुआ यूँ कि एक बार नीता भाभी की ननद माला आई हुई थी और वरुण भैया को कंपनी के काम से 3-4 दिन के लिए बाहर जाना था।

भैया ने मुझे कहा- बिट्टू, मैं 3-4 दिन के लिए कानपुर जा रहा हूँ, कंपनी के काम से, तुझे हमारे घर सोना है।

मेरे लिए तो यह 'अंधे के हाथ बटेर लगने' वाली बात थी। मैंने तुरंत 'हाँ' नहीं कहा कि कहीं भैया को शक ना हो क्योंकि मेरे मन में तो चोर था न, मैंने कहा- भैया, मम्मी से पूछ कर बताऊँगा।

इस पर वो बोले- उनसे मैंने बात कर ली है।

मैंने कहा- मेरी ट्यूशन... ?

मेरी बात पूरी होने से पहले ही वो बोल पड़े- चिंता मत कर तेरी भाभी तुझे एकनॉमिक्स पढ़ा देगी और तू थोड़ा देर से भी चला जाएगा तो भी चलेगा।

मैं उनको दिखाते हुए अनमने भाव से बोला- ठीक है भैया, मैं वहीं पर सो जाऊँगा।

तब तक मुझे यह नहीं पता था कि उनकी बहन भी आई हुई है। वर्ना मैं शायद उन्हें मना कर देता और अपने जीवन के बेहतरीन अनुभवों में से एक का मौका गँवा देता।

नवम्बर का महीना था। सर्दी शुरू हो चुकी थी। मेरा स्कूल शाम की शिफ्ट का था। सर्दियों में हमारे स्कूल की छुट्टी शाम को 5:45 पर हो जाया करती थी। वहाँ से घर आते-आते अँधेरा हो जाता था।

मैं घर आकर सबसे पहले अपनी वर्दी उतार कर घर के कपड़े पहनता था, फिर चाय पीने के बाद अपने बाकी के काम करता था। और ट्यूशन वगैरह जाता था।

जैसे ही मैंने कपड़े बदले तो माँ बोलीं- तू एक काम कर, जा नीता के घर चला जा, क्योंकि वरुण घर पर नहीं है और तेरा खाना नीता बना लेगी।

‘अँधा क्या मांगे दो आँखें।’

पर मैंने ऊपरी मन से कहा- तुम ऐं वै ई हाँ कर देती हो।

तो माँ बोलीं- बेटे उनके परिवार से अपने परिवार के अच्छे सम्बन्ध हैं, जा चला जा बेटा।

मैं मन ही मन खुश होते हुए लगभग साढ़े सात बजे के करीब घर से निकला और करीब बीस मिनट में उनके घर पहुँच गया।

जब उनके घर जाकर मैंने उन घन्टी बजाई, तो दरवाज़ा खोलने के लिए माला यानि कि

वरुण की बहन आई थी।

जैसे ही उसने मुझे देखा तो मुस्कुरा कर बोलीं- आ बिट्टू, की हाल आ तेरा !

उसे देख कर मेरी तो सिट्टी-पिट्टी ही गुम हो गई। क्योंकि मैं तो यहाँ इस उम्मीद में आया था कि आज तो भाभी को चोदना है।

माला जो कि मुझसे एक साल के करीब ही बड़ी थी, पर मैं उसे उसका नाम ले कर ही बुलाता था, उसको देख कर मेरे लन्ड का तो सारा करंट ही डॉउन हो गया था कि इसके सामने तो कोई बात ही नहीं बनेगी।

मैं अभी इसी सोच में डूबा था कि वो मेरा कन्धा पकड़ कर हिलाते हुए बोलीं- हाँ, क्या हुआ ? किस ख्याल में गुम हो गए मिस्टर ?

तो मैं चौंकते हुए बोला- कुछ नहीं, आज अचानक बहुत दिनों बाद तुझे देखा है, तो मैं चौंक गया था क्योंकि भैया ने तो बताया नहीं थी कि तू भी आई हुई है।

अंदर ही अंदर मैं उसे कोस रहा था , “साली मुसीबत ! सारा प्लान ही चौपट कर दिया !”

वो बोली- अच्छा अंदर तो आ !

और मैं उसके पीछे-पीछे घर के अंदर आ गया।

भाभी रसोई में थी, खाना बना रही थी, मुझसे बोलीं- बिट्टू, खाना खा ले।

तो मैं इशारे में बोला- भाभी मैं तो लेट ही खाऊँगा पिछली बार की तरह।

भाभी ने मेरी तरफ कनखियों से देखा और मुस्कुरा दीं और रोटियाँ सेकने में लग गईं।

अब मैं सोच रहा था कि कब यह माला थोड़ा मौका दे और कब मैं भाभी से बात करूँ।

मैं घर के अंदर चला गया और अपनी किताब खोल कर बैठ गया। पर जब वासना अपना जोर मारे तो बड़े-बड़े सूरमा भी हार जाते हैं। मैं तो वैसे ही नया-नया खिलाड़ी था। सो मेरा मन भी किताब में कहाँ लगना था पर फिर भी लगा रहा।

लगभग पौने घंटे में भाभी अपने काम से फ्री हुई और वो भी अंदर कमरे में आ गई और माला से बोलीं- टीवी लगा ले, चित्रहार आने वाला है।

यह उस समय की बात है जब दूरदर्शन ही एकमात्र चैनल था।

माला बोलीं- भाभी, दो मिनट में आकर लगाती हूँ !

कह कर बाथरूम में घुस गई।

भाभी बर्तन वगैरह सैट कर रही थीं। मैं फटाफट उठा और भाभी के पास जाकर धीरे से बोला- इसके रहते बात कैसे बनेगी ?

भाभी जल्दी से बोलीं- उसे भी तैयार करूँगी। बस जब हमारी रजाई जोर-जोर से हिले तो हमारी रजाई अपनी तरफ से उठा देना, पर पहले सोने का नाटक करना बाकी काम मेरा है। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

तब तक बाथरूम से पानी की आवाज़ आई और भाभी फिर से अपने काम में लग गई। माला के आने तक भाभी अपने कामों से फारिग हो चुकी थीं।

जैसे ही माला बाहर आई, भाभी मेरे से बोलीं- मैं खाना लगा देती हूँ। जब तक चित्रहार आ रहा है, साथ-साथ ही खाना भी खा लिया जाए। बिट्टू तुम भी अभी खाओगे न ?

मैंने कहा- हाँ भाभी, मैं भी आप लोगों के साथ ही खा लूँगा ।

पर मैं मन ही मन सोच रहा था कि बात बनेगी कैसे ?

इतने में माला ने टीवी ऑन कर दिया और डबल बेड की चादर झाड़ कर उसके ऊपर अखबार बिछाने लगी ।

भाभी ने स्टोर में से एक रूम हीटर निकाल कर लगा दिया और बाहर के गेट का ताला लगा कर आ गई, अंदर आकर कमरे का दरवाज़ा भी अंदर से बंद कर लिया ।

टीवी पर अभी विज्ञापन आ रहे थे, रूम हीटर अपना काम शुरू कर चुका था । लेकिन भाभी के मन की सही प्लानिंग क्या थी, यह अभी भी मेरे समझ में नहीं आ पा रहा था । मैं ऊपर से कुछ महसूस नहीं होने देना चाहता था ।

भाभी ने खाना लगा दिया था और आकर साथ ही बैठ गई । अब हम लोग अर्ध-वृत्त में बैठे थे और टीवी देख रहे थे । साथ-साथ ही खाना भी खा रहे थे । चित्रहार शुरू हो चुका था और पुराने गाने आ रहे थे ।

चित्रहार के खत्म होने तक हम लोग खाना खा चुके थे । चित्रहार बंद होने के साथ ही भाभी ने उठकर टीवी बंद कर दिया और बर्तन उठा कर रसोई में गई ।

तो माला बोली- भाभी, मैं आ रही हूँ बर्तन अभी ही मांज लेते हैं ।

भाभी ने मना कर दिया कि बर्तन सुबह मांजे जायेंगे, अभी तो ठण्ड हो रही है और ज्यादा बर्तन हैं भी नहीं ।

तो माला बोली- ठीक है भाभी, सुबह ही मांज लेंगे ।

इतने में भाभी बर्तन रसोई में रख कर आ गई थीं, अंदर आकर भाभी बोली- चलो एक-एक बाजी ताश की हो जाये।

मेरा तो मन था ही नहीं ताश खेलने का पर मेरे से भी पहले माला बोली- भाभी ताश-वाश का मन नहीं है। अब यह बताओ कि सोना कैसे है ?

तो भाभी बोलीं- यहीं डबल बैड पर हो सो जाते हैं सारे। तू और मैं बड़ी रजाई ले लेते हैं और बिट्टू सिंगल वाली रजाई में सो जाएगा। क्यों बिट्टू ठीक है ना ?

तो मैं बोला- जैसा आप ठीक समझो।

सोने से पहले भाभी ने थर्मस में से चाय निकाल कर 3 गिलासों में डाल दी और बोलीं- लो तुम लोग भी क्या याद करोगे कि भाभी के राज में खूब ऐश की थी।

पर उनके ऐसे बोलने का मतलब बहुत बाद में मेरी समझ में आया।

मैंने दीवान में से दोनों रजाइयाँ निकाल दी थीं। अपनी रजाइयों में घुस कर हम लोगों ने अपनी-अपनी चाय पी। सब से पहले दीवार की तरफ माला लेटी, फिर भाभी, और मुझसे बोलीं- बिट्टू, पहले लाइट बुझा कर नाइट बल्ब जला दे, फिर लेटना।

मैंने ट्यूब बुझा कर नाइट बल्ब जला दिया और आकर मैं भी अपनी रजाई में घुस गया और आँखें बंद कर लीं।

पर नींद का तो दूर-दूर तक पता नहीं था। मन ही मन मैं कुढ़ रहा था कि यह कहाँ दाल-भात में मूसलचंद आन पड़ी।

इस बात को वो ही समझ सकता है जो ऐसे हालात से गुज़रा हो।

लगभग बीस-पच्चीस मिनट बाद मुझे भाभी वाली रजाई में कुछ हलचल सी महसूस हुई ।

कहानी जारी रहेगी ।

मुझे आप अपने विचार मेल करें !

dr.dalbir66@ yahoo.com

Other stories you may be interested in

पांच सहेलियाँ अन्तरंग हो गयी

दोस्तो, आज बहुत दिनों बाद आपसे कुछ यादें शेयर करना चाहता हूँ. मेरी पिछली कहानी थी शादीशुदा लड़की का कुंवारी सहेली से प्यार आज की मेरी कहानी देहरादून में बन रहे पाँवर प्रोजेक्ट के इंजीनियरों की है. ये पांच इंजीनियर [...]

[Full Story >>>](#)

यार से मिलन की चाह में तीन लंड खा लिए-5

पिछले भाग में आपने पढ़ा कि लॉज का मैनेजर मेरी चूत को पेल रहा था और जीजा सामने कुर्सी पर बैठे हुए अपना लंड हिला रहे थे. लॉज के नौकर ने मेरे मुँह में लंड दे रखा था. जीजा को [...]

[Full Story >>>](#)

भाभी की कुंवारी बहन की सीलतोड़ चुदाई

अन्तर्वासना के सभी दोस्तों को मेरा प्रणाम, मेरा नाम पंकज सिंह है. मैं पिछले 3 साल से दिल्ली में पढ़ाई कर रहा हूँ. मेरी उम्र अभी 24 साल है. मेरा कद 5 फुट 9 इंच है. मैं गोरे रंग का [...]

[Full Story >>>](#)

क्लासमेट की मां चोद दी

बात तब की है जब मैं और कुलजीत कक्षा 12 में पढ़ते थे. कुलजीत की अभी दाढ़ी नहीं निकली थी. चिकना और गोल मटोल था. चूतड़ ऐसे कि गांड मारने को उत्तेजित करते थे. वह मेरे घर के पीछे वाली [...]

[Full Story >>>](#)

मामा की बेटि की रस भरी चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम परम है और मैं दिल्ली में रहता हूँ। मैं हमेशा से ही हिन्दी सेक्स स्टोरी पढ़ा करता था। आज मैं भी आपको अपने साथ हुई एक सच्ची घटना बताना चाहता हूँ। यह कहानी एकदम सच है। ये [...]

[Full Story >>>](#)

